

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4017

दिनांक 25 मार्च, 2025/ 4 चैत्र, 1947 (शक) को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम उपशमन परियोजना

4017. श्री चंदन चौहान:

डॉ. निशिकान्त दुबे:

श्री बलभद्र माझी:

श्री भर्तृहरि महताब:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सभी राज्यों में राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम उपशमन परियोजना (एनसीआरएमपी) के अंतर्गत अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) क्या एनसीआरएमपी अवसंरचना को व्यापक आपदा प्रबंधन पहलों के साथ जोड़ने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) चक्रवात के पूर्वानुमान और तैयारी को सुदृढ़ करने के लिए एनसीआरएमपी में शामिल की गई नवीनतम प्रौद्योगिकीय प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (घ): राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम शमन परियोजना (एनसीआरएमपी) को आठ तटीय राज्यों में दो चरणों में लागू किया गया था। चरण-I के तहत आंध्र प्रदेश और ओडिशा को कवर किया गया था और चरण-II के तहत छह राज्य यानी गोवा, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल को कवर किया गया था। एनसीआरएमपी के तहत अवसंरचना का कार्य निर्धारित समाप्ति तिथि तक पूरा कर लिया गया है और परियोजना मार्च, 2023 से समाप्त हो गई है।

एनसीआरएमपी के चरण-I और चरण-II दोनों के तहत बनाए गए भौतिक अवसंरचनाओं का विवरण अनुलग्नक में है।

एनसीआरएमपी के तहत बनाए गए भौतिक अवसंरचना के रखरखाव और स्थिरता की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है।

एनसीआरएमपी के अंतर्गत, एनडीएमए ने चक्रवात जोखिम शमन और रिस्पांस योजना के लिए एक वेब-आधारित डायनेमिक कम्पोजिट जोखिम एटलस और निर्णय सहायता प्रणाली (वेब-डीसीआरए और डीएसएस टूल) विकसित की है। इस उपकरण का उपयोग चक्रवातों जैसे बिपरजॉय (जून, 2023) और चक्रवात मिचांग (दिसंबर, 2023) में सफलतापूर्वक किया गया है।

सरकार ने सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भारत के नागरिकों को आपदाओं से संबंधित भू-लक्षित प्रारंभिक चेतावनियों/अलर्ट के प्रसार के लिए 'कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) आधारित एकीकृत अलर्ट प्रणाली' लागू की है, जिसमें सभी चेतावनी एजेंसियों [भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), केंद्रीय जल आयोग (CWC), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS), रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (DGRE), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) और भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI)] के एकीकरण के माध्यम से एसएमएस, टीवी, रेडियो, भारतीय रेलवे, तटीय सायरन, सेल प्रसारण, इंटरनेट (आरएसएस फ़ीड और ब्राउज़र अधिसूचना), गगन और NavIC के सैटेलाइट रिसेवर आदि जैसे विभिन्न प्रसार माध्यमों का उपयोग किया गया है।

हाल की आपदाओं में इस प्रणाली का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। सीएपी का उपयोग करके अब तक 4500 करोड़ से अधिक एसएमएस अलर्ट प्रसारित किए जा चुके हैं।

एनसीआरएमपी के तहत स्थापित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और भौतिक अवसंरचना के घटकों यानी बहुउद्देशीय चक्रवात आश्रयों सहित ये उपाय, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा बहुत सटीक और समय पर दिए गए पूर्वानुमानों के साथ मिलकर चक्रवातों के दौरान तटीय समुदाय के लिए बहुत मददगार सिद्ध हुआ है।

दिनांक 25.03.2025 को उत्तर के लिए देय लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4017 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

आंध्र प्रदेश	पूर्व चेतावनी प्रसार प्रणाली (ईडब्ल्यूडीएस) की स्थापना	
	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रय (सं.)	219
	सड़कें (किमी)	698.02
	पुल (सं.)	35
	खारे तटबंध (किमी)	29.90
ओडिशा	पूर्व चेतावनी प्रसार प्रणाली (ईडब्ल्यूडीएस) की स्थापना	
	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रय (सं.)	316
	सड़कें (किमी)	388.50
	खारे तटबंध (किमी)	58.22
गोवा	पूर्व चेतावनी प्रसार प्रणाली (ईडब्ल्यूडीएस) की स्थापना	
	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रय (सं.)	11
	भूमिगत केबलिंग (किमी)	315
केरल	पूर्व चेतावनी प्रसार प्रणाली (ईडब्ल्यूडीएस) की स्थापना	
	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रय (सं.)	17
कर्नाटक	पूर्व चेतावनी प्रसार प्रणाली (ईडब्ल्यूडीएस) की स्थापना	

	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रय (सं.)	10
	सड़कें (किमी)	48
	खारे तटबंध (किमी)	7.8
	पुल (सं.)	2
गुजरात	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रय (सं.)	76
	सड़कें (किमी)	157
महाराष्ट्र	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	भूमिगत केबलिंग (किमी)	600.3
	खारे तटबंध (किमी)	22.26
पश्चिम बंगाल	चक्रवात जोखिम शमन अवसंरचना (सीआरएमआई) (उप-घटक/इकाई)	
	बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रय (सं.)	146
	भूमिगत केबलिंग (किमी)	472.46
